MASA–03

June – Examination 2022

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(भारतीय दर्शन)

Paper : MASA-03

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. (i) 'सर्वदर्शनसंग्रहः' के रचयिता कौन हैं ?

   (ii) 'वेदान्तसारः' के रचयिता कौन हैं ?

(iii) 'अर्थवाद' का सम्बन्ध किस ग्रंथ से है ?

(iv) न्याय दर्शन नास्तिक है या आस्तिक।

(v) द्वितीय ब्रह्मसूत्र क्या है ?

(vi) 'आरम्भवाद' किस दर्शन में स्वीकृत है ?

(vii) 'प्रमा' का लक्षण लिखिए।

(viii) नास्तिक दर्शन वेद-प्रामाण्य स्वीकारते हैं या नहीं।

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2. सांख्यकारिका के अनुसार पुरुष एवं प्रकृति की स्वरूप सिद्धि कीजिए।

3. 'अनुबन्ध-चतुष्ट्य' का विवेचन कीजिए।

4. अद्वैत वेदान्तानुसार **चार** महावाक्यों की व्याख्या कीजिए।

5. काश्मीर शैव दर्शन के अपूर्व स्वरूप की विवेचना कीजिए।

6. 'चोदनालक्षणोऽर्थो धर्मः' की सिद्धिः अर्थ संग्रह के अनुसार कीजिए।

7. भारतीय दर्शन में प्रामाण्यवाद की सम्यक् व्याख्या कीजिए।

8. चार्वाक दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त उपस्थापित कीजिए।

9. तर्कभाषाभिमत प्रमाण-चतुष्ट्य की सिद्धि कीजिए।